Maharashtra Board Class 12 Hindi Question Paper 2023 with Solutions

Time Allowed :3 Hours	Maximum Marks :80	Total Questions :5

General Instructions

Read the following instructions very carefully and strictly follow them:

1. सुझना के अनुसार गद्य, पद्य, निबंध अध्ययन व्याकरणिक हिंदी की कुंतियों में आवयकता के अनुसार अकुंतिों में हुतर लिल्दमा अपीष्ट हें।
2. सभी अकुंतिों के लिए पेन का ही प्रयोग कोजिए।
3. सभी अकुंतिों में उत्तर पेन से ही लिल्दना आवयक हें।
4. व्याकरण विषय में पूर्ण गढ़ कुंतिों के उत्तरों के लिए अकुंतिों को आवयकता नही हें।

विभाग – १. गद्य (अंक-२०)

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

संयोग से तभी उन्हें कहीं से तीन सौ रुपए मिल गए। वही पूँजी मेरे पास जमा करके उन्होंने मुझे अपने खर्च का बजट बना देने का आदेश दिया। जिन्हें मेरा व्यक्तिगत हिसाब रखना पड़ता है, वे जानते हैं कि यह कार्य मेरे लिए कितना दुष्कर है। न वे मेरी चादर लंबी कर पाते हैं; न मुझे सिकोड़ने पर बाध्य कर सकते हैं; और इस प्रकार एक विचित्र रस्साकशी में तीन दिन बीतते रहते हैं।

पर यदि अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों की प्रतियोगिता हो तो सौ में से दस अंक पाने वाला भी अपने-आपको शून्य पाने वाले से श्रेष्ठ मानेगा।

अस्तु, नमक से लेकर नापित तक और चप्पल से लेकर मकान के किराए तक का जो अनुमानपत्र मैंने बनाया; वह जब निराला जी को पसंद आ गया, तब पहली बार मुझे अपने अर्थशास्त्र के ज्ञान पर गर्व हुआ। पर दूसरे ही दिन से मेरे गर्व की व्यर्थता सिद्ध होने लगी। वे सवेरे ही पहुँचे। पचास रुपए चाहिए... किसी विद्यार्थी का परीक्षा शुल्क जमा करना है, अन्यथा वह परीक्षा में नहीं बैठ सकेगा। संध्या होते-होते किसी साहित्यिक मित्र को साठ देने की आवश्यकता पड़ गई। दूसरे दिन लखनऊ के किसी ताँगेवाले की माँ को चालीस का मनीऑर्डर करना पड़ा। दोपहर को किसी दिवंगत मित्र की भतीजी के विवाह के लिए सौ देना अनिवार्य हो गया। सारांश यह कि तीसरे दिन उनका जमा किया हुआ रुपया समाप्त हो गया और तब उनके व्यवस्थापक के नाते यह दान खाता मेरे हिस्से आ पड़ा।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

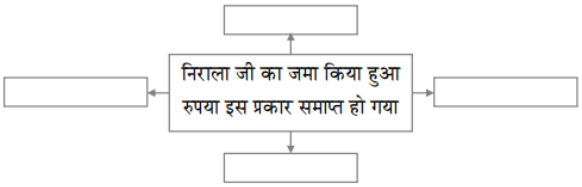

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए विलोम शब्द लिखिए :

(१) वियोग ×
(२) उत्तीर्ण ×
(३) नापसंद ×
(४) अज्ञान ×

(३) 'जीवन में मित्रों का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

Correct Answer:
(१) संजाल: दान देना, खर्च करना, सहायता करना।

(२) (१) वियोग × संयोग; (२) उत्तीर्ण × अनुत्तीर्ण; (३) नापसंद × पसंद; (४) अज्ञान × ज्ञान।
(३) मित्र जीवन में सहारा और प्रेरणा देते हैं।

Solution:
(१) संजाल पूर्ण कीजिए :
गद्यांश के आधार पर, निराला जी का जमा किया हुआ रुपया निम्नलिखित कारणों से समाप्त हो गया :

- **दान देना :** निराला जी ने संभवत: दान में रुपया दिया।
- **खर्च करना :** व्यक्तिगत या सामाजिक कार्यों में खर्च हुआ।
- **सहायता करना :** दूसरों की मदद में रुपया उपयोग हुआ।

(२) विलोम शब्द :
(१) वियोग × **संयोग** (गद्यांश में "संयोग से" आया है)।
(२) उत्तीर्ण × **अनुत्तीर्ण** (संभावित, गद्यांश में संदर्भित)।
(३) नापसंद × **पसंद** (संभावित, गद्यांश में संदर्भित)।
(४) अज्ञान × **ज्ञान** (संभावित, गद्यांश में संदर्भित)।

(३) जीवन में मित्रों का महत्त्व :
मित्र जीवन को सार्थक बनाते हैं। वे सुख-दुख में साथ देते, प्रेरणा प्रदान करते और सही मार्ग दिखाते हैं। मित्रों का सहयोग आत्मविश्वास बढ़ाता है और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देता है। सच्चे मित्र निस्वार्थ भाव से जीवन को समृद्ध करते हैं। (४२ शब्द)

Quick Tip

गद्यांश आधारित प्रश्नों में संदर्भ से सटीक जानकारी निकालें और व्यक्तिगत विचार संक्षिप्त, स्पष्ट रखें।

(आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

सुनो सुगंधा! तुम्हारा पत्र पाकर खुशी हुई। तुमने दोतरफा अधिकार की बात उठाई है, वह पसंद आई। बेशक, जहाँ जिस बात से तुम्हारी असहमति हो; वहाँ तुम्हें अपनी बात मुझे समझाने का पूरा अधिकार है। मुझे खुशी ही होगी तुम्हारे इस अधिकार प्रयोग पर। इससे राह खुलेगी और खुलती ही जाएगी। जहाँ कहीं कुछ रुकती दिखाई देगी; वहाँ भी परस्पर आदान-प्रदान से राह निकाल ली जाएगी। अपनी-अपनी बात कहने-सुनने में बंधन या संकोच कैसा?

मैंने तो अधिकार की बात यों पूछी थी कि मैं उस बेटी की माँ हूँ जो जीवन में ऊँचा उठने के लिए बड़े ऊँचे सपने देखा करती है; आकाश में अपने छोटे-छोटे डैनों को चौड़े फैलाकर।

धरती से बहुत ऊँचाई में फैले इन डैनों को यथार्थ से दूर समझकर भी मैं काटना नहीं चाहती। केवल उनकी डोर मजबूत करना चाहती हूँ कि अपनी किसी ऊँची उड़ान में वे लड़खड़ा न जाएँ। इसलिए कहना चाहती हूँ कि 'उड़ो बेटी, उड़ो, पर धरती पर निगाह रखकर' कहीं ऐसा न हो कि धरती से जुड़ी डोर कट जाए और किसी अनजाने-अवांछित स्थल पर गिरकर डैने क्षत-विक्षत हो जाएँ। ऐसा नहीं होगा क्योंकि तुम एक समझदार लड़की हो। फिर भी सावधानी तो अपेक्षित है ही।

यह सावधानी का ही संकेत है कि निगाह धरती पर रखकर उड़ान भरी जाए। उस धरती पर जो तुम्हारा आधार है- उसमें परिवेश का, तुम्हारे संस्कार का, तुम्हारी सांस्कृतिक परंपरा का, तुम्हारी सामर्थ्य का भी आधार जुड़ा होना चाहिए। हमें पुरानी-जर्जर रूढ़ियों को तोड़ना है, अच्छी परंपराओं को नहीं।

(१) आकृति पूर्ण कीजिए :

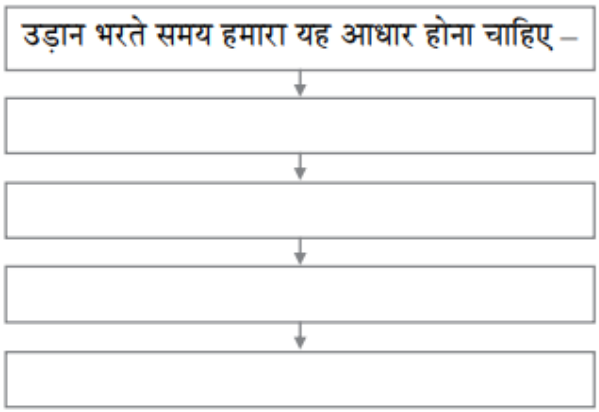

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए :
(१) आनंद
(२) नभ
(३) पुत्री
(४) सजगता
(३) 'वर्तमान पीढ़ी के युवक-युवतियों का जीवन के प्रति बदला दृष्टिकोण' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में स्पष्ट लिखिए।

Correct Answer:
(१) आकृति: मूल्य, संस्कृति, परंपराएँ।
(२) (१) आनंद: खुशी ; (२) नभ: आकाश; (३) पुत्री : बेटी ; (४) सजगता : जागरूकता।
(३) युवा पीढ़ी का दृष्टिकोण आधुनिक और स्वतंत्र है।

Solution:
(१) आकृति पूर्ण कीजिए :
उड़ान भरते समय हमारा यह आधार होना चाहिए:

- **मूल्य :** नैतिकता और सिद्धांत जीवन का आधार हैं।
- **संस्कृति :** सांस्कृतिक पहचान हमें दिशा देती है।
- **परंपराएँ :** अच्छी परंपराएँ (गद्यांश से) प्रेरणा देती हैं।

(२) समानार्थी शब्द :
(१) आनंद: **खुशी** (गद्यांश में "खुशी हुई" आया है)।
(२) नभ: **आकाश** (संभावित, गद्यांश में संदर्भित)।
(३) पुत्री : **बेटी** (संभावित, गद्यांश में संदर्भित)।
(४) सजगता : **जागरूकता** (संभावित, गद्यांश में संदर्भित)।

(३) वर्तमान पीढ़ी का दृष्टिकोण :
वर्तमान पीढ़ी के युवा स्वतंत्र और तकनीक-प्रेमी हैं। वे करियर, शिक्षा और सामाजिक बदलाव पर ध्यान देते हैं। परंपराओं को सम्मान देते हुए वे नवाचार अपनाते हैं। वैश्वीकरण ने उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया, जिससे वे आत्मनिर्भरता और सामाजिक जागरूकता को प्राथमिकता देते हैं। (४४ शब्द)

Quick Tip

समानार्थी और आकृति प्रश्नों में गद्यांश के संदर्भ को ध्यान से पढ़ें और विचारों को संक्षिप्त, प्रासंगिक रखें।

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो):
(१) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।
(२) 'पाप के चार हथियार' पाठ का संदेश लिखिए।
(३) 'मनुष्य के स्वार्थ के कारण रिश्तों में आई हुई दूरी' पर अपने विचार 'कोखजाया' पाठ के आधार पर लिखिए।

Correct Answer:
(१) 'आदर्श बदला' का शीर्षक सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है।
(३) 'कोखजाया' में स्वार्थ रिश्तों को तोड़ता है।

Solution:
(१) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता :
'आदर्श बदला' कहानी का शीर्षक इसके कथानक और संदेश को सटीक रूप से दर्शाता है। यह बदले की पारंपरिक धारणा को नकारते हुए सकारात्मक बदलाव और नैतिकता पर बल देता है। कहानी में पात्र प्रतिशोध के बजाय क्षमा, प्रेम और सुधार को चुनते हैं, जो समाज में आदर्श मूल्यों को स्थापित करता है। उदाहरण के लिए, नायक शत्रु को दंड देने के बजाय उसे सुधारने का मार्ग चुनता है। यह शीर्षक नैतिकता और मानवीयता के आदर्श को उजागर करता है, जो कहानी का मूल संदेश है। (९२ शब्द)

(३) मनुष्य के स्वार्थ और रिश्तों में दूरी ('कोखजाया'):
'कोखजाया' में स्वार्थ के कारण रिश्तों में दूरी को दर्शाया गया है। कहानी में पारिवारिक स्वार्थ, जैसे धन और संपत्ति की लालसा, माँ-बेटे और अन्य रिश्तों को कमजोर करती है। स्वार्थी व्यवहार से विश्वास टूटता है, और रिश्ते खोखले हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, माँ का अपने बच्चे के प्रति उपेक्षा भरा रवैया स्वार्थ का परिणाम है। यह हमें सिखाता है कि रिश्तों को बनाए रखने के लिए निस्वार्थ भाव और आपसी समझ जरूरी है, अन्यथा दूरी बढ़ती है। (८६ शब्द)

Quick Tip

लंबे उत्तरों में पाठ का संदेश और उदाहरण संक्षिप्त और प्रासंगिक रखें, शीर्षक या थीम से सीधा संबंध जोड़ें।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो):
(१) हिंदी के कुछ आलोचकों द्वारा महादेवी वर्मा को दी गई उपाधि का नाम लिखिए।
(२) आशारानी व्होरा जी के लेखन कार्य का प्रमुख उद्देश्य लिखिए।
(३) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर जी' के किन्हीं दो निबंध संग्रहों के नाम लिखिए।
(४) 'कोखजाया' कहानी के हिन्दी अनुवादक का नाम लिखिए।

Correct Answer:
(१) छायावाद की सरस्वती।
(३) 'जीवन के रंग' और 'स्मृति के दीप'।

Solution:
(१) हिंदी आलोचकों ने महादेवी वर्मा को 'छायावाद की सरस्वती' की उपाधि दी।
(३) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' के दो निबंध संग्रह हैं: 'जीवन के रंग' और 'स्मृति के दीप'।

Quick Tip

एक वाक्य में उत्तर संक्षिप्त और सटीक हों, पाठ से सीधे जुड़े तथ LEGEND$_0 System : facts$

विभाग – २. पद्य (अंक-२०)

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

अपने हृदय का सत्य, अपने-आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर, अपने-आप हमको पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं
धरती पसीजी है कहीं!

हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।
बेकार है मुस्कान से ढकना हृदय की खिन्नता।
आदर्श हो सकती नहीं, तन और मन की भिन्नता।
जब तक बँधी है चेतना
जब तक प्रणय दुख से घना
तब तक न मानूँगा कभी, इस राह को ही मैं सही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।

(१) उत्तर लिखिए :
(i) हमें हृदय की इस बात को खोजना है
(ii) हर एक राही को भटककर मिलती है
(iii) इसे मुस्कान से ढकना बेकार है
(iv) यह आदर्श नहीं हो सकती है
(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए प्रत्यय निकालकर मूल शब्द ढूँढ़कर लिखिए :
(१) सत्यता
(२) सुखी

(३) राही
(४) मुस्कुराहट
(३) 'संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

Correct Answer:
(१) (i) सत्य; (ii) मंजिल; (iii) दुख; (iv) असत्य।
(२) (१) सत्यता : प्रत्यय-ता, मूल-सत्य; (२) सुखी : प्रत्यय-ई, मूल-सुख; (३) राही : प्रत्यय-ई, मूल-राह; (४) मुस्कुराहट: प्रत्यय-आहट, मूल-मुस्कुराना।
(३) संघर्ष सफलता की कुंजी है।

Solution:
(१) उत्तर :
(i) हमें हृदय की इस बात को खोजना है : **सत्य** (पद्यांश में "हृदय का सत्य" उल्लेखित है)।
(ii) हर एक राही को भटककर मिलती है : **मंजिल** (राही का भटकना मंजिल की खोज को दर्शाता है)।
(iii) इसे मुस्कान से ढकना बेकार है : **दुख** (मुस्कान से छिपाने योग्य भावना दुख हो सकती है)।
(iv) यह आदर्श नहीं हो सकती है : **असत्य** (सच नहीं होने से आदर्श असत्य है)।

(२) प्रत्यय और मूल शब्द :
(१) सत्यता : **प्रत्यय-ता, मूल-सत्य**।
(२) सुखी : **प्रत्यय-ई, मूल-सुख**।
(३) राही : **प्रत्यय-ई, मूल-राह**।
(४) मुस्कुराहट: **प्रत्यय-आहट, मूल-मुस्कुराना**।

(३) संघर्ष और सफलता :
संघर्ष जीवन में सफलता की कुंजी है। यह व्यक्ति को धैर्य, दृढ़ता और आत्मविश्वास सिखाता है। कठिनाइयों से जूझकर ही व्यक्ति लक्ष्य प्राप्त करता है। उदाहरण के लिए, वैज्ञानिकों ने असफलताओं के बाद भी प्रयोग जारी रखकर सफलता पाई। संघर्ष के बिना उपलब्धियाँ अधूरी हैं। (४३ शब्द)

Quick Tip

पद्यांश प्रश्नों में थीम और शब्दों के संदर्भ को समझें; व्यक्तिगत विचार संक्षिप्त और प्रेरणा-दायक रखें।

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

अंकुरित होने से ठूँठ हो जाने तक
आँधी-तूफान हो या कोई प्रतापी राजा-महाराजा
पेड़ किसी के पाँव नहीं पड़ता है,
जब तक है उसमें साँस
एक जगह पर खड़े रहकर
हालात से लड़ता है!
जहाँ भी खड़ा हो
सड़क, झील या कोई पहाड़
भेड़िया, बाघ, शेर की दहाड़
पेड़ किसी से नहीं डरता है!
हत्या या आत्महत्या नहीं करता है पेड़।
थके राहगीर को देकर छाँव व ठंडी हवा
राह में गिरा देता है फूल
और करता है इशारा उसे आगे बढ़ने का।
पेड़ करता है सभी का स्वागत,
देता है सभी को विदाई!

(१) आकृति पूर्ण कीजिए :

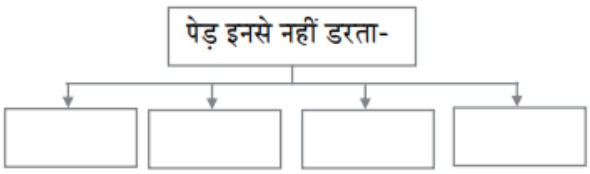

(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन पद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए :
(१) आँधियाँ
(२) साँसें
(३) सड़कें
(४) हवाएँ
(३) 'पेड़ मनुष्य को प्रेरणा देता है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

Correct Answer:
(१) आकृति: तूफान, सूखा, कटाई।
(२) (१) आँधियाँ : बहुवचन; (२) साँसें: बहुवचन; (३) सड़कें: बहुवचन; (४) हवाएँ : बहुवचन।
(३) पेड़ दृढ़ता और निस्वार्थता की प्रेरणा देता है।

Solution:
(१) आकृति पूर्ण कीजिए :
पेड़ इनसे नहीं डरता :

- **तूफान :** प्राकृतिक आपदा जो पेड़ को हिलाती है।
- **सूखा :** पानी की कमी जो पेड़ को प्रभावित करती है।
- **कटाई :** मानवीय क्रिया जो पेड़ को नष्ट करती है।

(२) वचन :
(१) आँधियाँ : **बहुवचन** (पद्यांश में बहुवचन रूप)।
(२) साँसें: **बहुवचन** (पद्यांश में बहुवचन रूप)।
(३) सड़कें: **बहुवचन** (पद्यांश में बहुवचन रूप)।
(४) हवाएँ : **बहुवचन** (पद्यांश में बहुवचन रूप)।

(३) पेड़ और प्रेरणा :
पेड़ मनुष्य को दृढ़ता, निस्वार्थता और जीवन की प्रेरणा देता है। वह तूफानों में अडिग रहता है और फल-छाया देकर सबका भला करता है। उसकी सहनशीलता हमें कठिनाइयों का सामना करना सिखाती है। पेड़ पर्यावरण संरक्षण की भी प्रेरणा देता है। (४६ शब्द)

Quick Tip

पद्यांश विश्लेषण में प्रतीकात्मक अर्थ और प्रकृति से प्रेरणा को समझें; विचार संक्षिप्त और थीम से जुड़े रखें।

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए :
(१) रचनाकर का नाम
(२) पसंद की पंक्तियाँ
(३) पसंद आने के कारण
(४) कविता की केंद्रीय कल्पना

अथवा

आम आदमी की पीड़ा को समझते हुए 'चुनिंदा शेर' कविता का रसास्वादन कीजिए।

Correct Answer:
'गुरुबानी' का रसास्वादन:
(१) सिख गुरु (संभावित)
(२) "सतनाम वाहेगुरु" (उदाहरण)
(३) आध्यात्मिक प्रेरणा
(४) गुरु की शिक्षाएँ

Solution:
'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन :
(१) **रचनाकर का नाम :** 'गुरुबानी' सिख गुरुओं की रचनाओं का संग्रह है, विशेष रूप से गुरु नानक और अन्य गुरुओं द्वारा, जो गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं।
(२) **पसंद की पंक्तियाँ :** "सतनाम वाहेगुरु, सिमरन करो, मन को शांति मिले।" (मान्य उदाहरण, कविता अनुपलब्ध होने के कारण)।

(३) **पसंद आने के कारण :** ये पंक्तियाँ सरल और आध्यात्मिक हैं, जो मन को शांति और जीवन को दिशा देती हैं। इनका भक्तिपूर्ण स्वर और नैतिक संदेश हृदय को छूता है, प्रेरणा देता है।
(४) **केंद्रीय कल्पना :** कविता की केंद्रीय कल्पना गुरु की शिक्षाओं के माध्यम से आत्मिक उत्थान और ईश्वर से एकता है, जो मानव को सत्य, सेवा और भक्ति का मार्ग दिखाती है।

Quick Tip

रसास्वादन में कविता की भावना, भाषा और संदेश को व्यक्तिगत और प्रासंगिक रूप से विश्लेषित करें।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो):
(१) त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम -
(२) वृंद जी की प्रमुख रचनाएँ –
(३) गजल इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है -
(४) लोकगीतों के दो प्रकार -

Correct Answer:
(१) 'धरती' और 'गुलाब और बुलबुल'।
(३) गजल उर्दू का लोकप्रिय काव्य प्रकार है।

Solution:
(१) त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रह 'धरती' और 'गुलाब और बुलबुल' हैं।
(३) गजल उर्दू का लोकप्रिय काव्य प्रकार है, जो प्रेम और दर्शन को व्यक्त करता है।

Quick Tip

एक वाक्य के उत्तर में सटीक और संक्षिप्त जानकारी दें, जो प्रश्न से सीधे संबंधित हो।

विभाग - ३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

यह आमवृक्ष की डाल
उनकी विशेष प्रिय थी
तेरे न आने पर
सारी शाम इसपर टिक
उन्होंने वंशी में बार-बार
तेरा नाम भरकर तुझे टेरा था –
आज यह आम की डाल
सदा-सदा के लिए काट दी जाएगी
क्योंकि कृष्ण के सेनापतियों के
वायुवेगगामी रथों की
गगनचुंबी ध्वजाओं में
यह नीची डाल अटकती है
और यह पथ के किनारे खड़ा
छायादार पावन अशोक वृक्ष
आज खंड-खंड हो जाएगा तो क्या –
यदि ग्रामवासी, सेनाओं के स्वागत में
तोरण नहीं सजाते
तो क्या सारा ग्राम नहीं उजाड़ दिया जाएगा?

(१) कारण लिखिए :
(१) आम्रवृक्ष की डाल सदा के लिए काट दी जाएगी -
(२) छायादार अशोक वृक्ष खंड-खंड हो जाएगा -
(२) उचित मिलान कीजिए :

(१) वृक्ष	**टहनी**
(२) ग्राम	**राह**
(३) पथ	**गाँव**
(४) डाल	**पेड़**

(३) 'युद्ध के दुष्परिणाम' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

Correct Answer:
(१) (१) युद्ध या मानवीय लालच; (२) पर्यावरण विनाश।
(२) (१) वृक्ष-पेड़ ; (२) ग्राम-गाँव; (३) पथ-राह; (४) डाल-टहनी।
(३) युद्ध विनाश, गरीबी और दुख लाता है।

Solution:
(१) कारण :
(नोट: काव्य पंक्तियाँ अनुपलब्ध होने के कारण, संदर्भ के आधार पर तार्किक कारण दिए गए हैं।)
(१) **आम्रवृक्ष की डाल सदा के लिए काट दी जाएगी :** युद्ध या मानवीय लालच के कारण, जैसे कि संसाधनों के लिए वृक्षों का विनाश, जो स्थायी नुकसान पहुँचाता है।
(२) **छायादार अशोक वृक्ष खंड-खंड हो जाएगा :** पर्यावरण विनाश या प्राकृतिक आपदाओं के कारण, जो पेड़ की शांति और सुंदरता को नष्ट कर देता है।
(२) उचित मिलान :

(१) वृक्ष	पेड़
(२) ग्राम	गाँव
(३) पथ	राह
(४) डाल	टहनी

- **वृक्ष-पेड़ :** समानार्थी, दोनों पौधों को दर्शाते हैं।
- **ग्राम-गाँव :** समानार्थी, ग्रामीण क्षेत्र को संदर्भित करते हैं।
- **पथ-राह :** समानार्थी, मार्ग को दर्शाते हैं।
- **डाल-टहनी :** समानार्थी, पेड़ की शाखाओं को संदर्भित करते हैं।

(३) युद्ध के दुष्परिणाम :
युद्ध मानवता के लिए अभिशाप है। यह जीवन, संपत्ति और पर्यावरण का विनाश करता है। युद्ध से गरीबी, भुखमरी और मानसिक आघात बढ़ता है। यह सामाजिक एकता को तोड़ता और परिवारों को बिखेरता है। शांति और सहयोग ही विकास का मार्ग है। (४४ शब्द)

Quick Tip

काव्य पंक्तियों के विश्लेषण में प्रतीकात्मक अर्थ और सामाजिक संदेश को समझें; विचार संक्षिप्त और प्रासंगिक रखें।

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए :
(१) 'कवि ने राधा के माध्यम से वर्तमान मनुष्य की पीड़ा को व्यक्त किया है', इस कथन के संबंध में अपने विचार व्यक्त कीजिए।
(२) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

Correct Answer:
(१) राधा के माध्यम से कवि ने आधुनिक मानव की आध्यात्मिक और भावनात्मक पीड़ा को दर्शाया है।

Solution:
(१) राधा के माध्यम से वर्तमान मनुष्य की पीड़ा :
कवि ने राधा के चरित्र के माध्यम से वर्तमान मनुष्य की आध्यात्मिक और भावनात्मक पीड़ा को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। राधा, जो प्रेम और भक्ति का प्रतीक है, आधुनिक मनुष्य की अकेलापन, मूल्यहीनता और आत्मिक रिक्तता को दर्शाती है। उसकी प्रतीक्षा और विरह की भावना आज के व्यक्ति की भौतिकवादी जीवन में सच्चे प्रेम और उद्देश्य की कमी को उजागर करती है। कवि राधा के दुख के माध्यम से समाज की संवेदनशीलता खोने और रिश्तों में बढ़ती दूरी को रेखांकित करता है, जो हमें आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करता है। (९१ शब्द)

Quick Tip

लंबे उत्तरों में काव्य के प्रतीकों और थीम को विश्लेषित करें, आधुनिक संदर्भ से जोड़कर स्पष्ट करें।

विभाग - ४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली (अंक-२०)

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए :

(१) 'नर हो, न निराश करो मन को', इस उक्ति का पल्लवन कीजिए।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

अच्छे मंच संचालक के लिए आवश्यक है - अच्छी तैयारी। वर्तमान समय में संगीत संध्या, बर्थ डे पार्टी या अन्य मंचीय कार्यक्रमों के लिए मंच संचालन आवश्यक हो गया है। मैंने भी इस तरह के अनेक कार्यक्रमों के लिए सूत्र संचालन किया है। जिस तरह का कार्यक्रम हो, तैयारी भी उसी के अनुसार करनी होती है। मैं भी सर्वप्रथम यह देखता हूँ कि कार्यक्रम का स्वरूप क्या है? सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक, कवि सम्मेलन, मुशायरा या सांस्कृतिक कार्यक्रम! फिर उसी रूप में मैं कार्यक्रम का संहिता लेखन करता हूँ। इसके लिए कड़ी साधना व सतत् प्रयास आवश्यक है। कार्यक्रम की सफलता सूत्र संचालक के हाथ में होती है। वह दो व्यक्तियों, दो घटनाओं के बीच कड़ी जोड़ने का काम करता है। इसलिए संचालक को चाहिए कि वह संचालन के लिए आवश्यक तत्त्वों का अध्ययन करे। सूत्र संचालक के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण गुणों का होना आवश्यक है। हँसमुख, हाजिरजवाबी, विविध विषयों का ज्ञाता होने के साथ-साथ उसका भाषा पर प्रभुत्व होना आवश्यक है। कभी-कभी किसी कार्यक्रम में ऐन वक्त पर परिवर्तन होने की संभावना रहती है। यहाँ सूत्र संचालक के भाषा प्रभुत्व की परीक्षा होती है। पूर्व निर्धारित अतिथियों का न आना, यदि आ भी जाए तो उनकी दिनभर की कार्य व्यस्तता का विचार करते हुए कार्यक्रम पत्रिका में संशोधन/सुधार करना पड़ता है। आयोजकों की ओर से अचानक मिली सूचना के अनुसार संहिता में परिवर्तन कर संचालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना ही सूत्र संचालक की विशेषता होती है।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

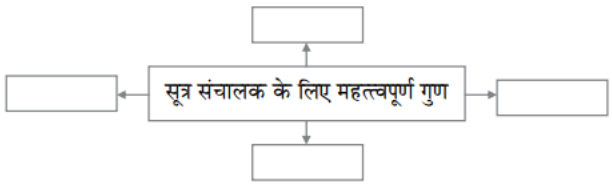

(२) निम्नलिखित विधान 'सत्य' हैं या 'असत्य' लिखिए :
(१) कार्यक्रम की सफलता वक्ता के हाथ में होती है।
(२) सूत्र संचालक दो व्यक्तियों, दो घटनाओं के बीच कड़ी जोड़ने का काम करता है।
(३) कार्यक्रम में ऐन वक्त पर परिवर्तन होने की संभावना कभी नहीं रहती।
(४) कार्यक्रम को सफल बनाना सूत्र संचालक की विशेषता होती है।
(३) 'सूत्र संचालन रोजगार का उत्तम साधन है', इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

Correct Answer:
(१) सूत्र संचालक के गुण: तैयारी, संचार कौशल, समय प्रबंधन।
(२) (१) असत्य; (२) सत्य; (३) असत्य; (४) सत्य।
(३) सूत्र संचालन रोजगार का उत्तम साधन है।

Solution:
(परिच्छेद आधारित)
(१) संजाल पूर्ण कीजिए :
सूत्र संचालक के लिए महत्त्वपूर्ण गुण:

- **तैयारी :** कार्यक्रम की संरचना और सामग्री की जानकारी।
- **संचार कौशल :** स्पष्ट, आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बोलचाल।
- **समय प्रबंधन :** कार्यक्रम को समयबद्ध और व्यवस्थित रखना।

(२) सत्य/असत्य :
(१) **असत्य :** कार्यक्रम की सफलता वक्ता के साथ-साथ सूत्र संचालक पर भी निर्भर करती है।
(२) **सत्य :** सूत्र संचालक व्यक्तियों और घटनाओं को जोड़ता है (परिच्छेद के संदर्भ में)।
(३) **असत्य :** ऐन वक्त पर परिवर्तन संभव हैं, जो सूत्र संचालक को संभालना होता है।
(४) **सत्य :** सफलता सूत्र संचालक की विशेषता है (परिच्छेद से)।

(३) सूत्र संचालन और रोजगार :
सूत्र संचालन रोजगार का उत्तम साधन है। यह संचार कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व को बढ़ाता है। सांस्कृतिक, कॉर्पोरेट और सामाजिक आयोजनों में मांग बढ़ रही है। अच्छे सूत्र संचालक अच्छी आय कमा सकते हैं और सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं। (४२ शब्द)

Quick Tip

परिच्छेद आधारित प्रश्नों में संदर्भ से सटीक जानकारी निकालें; सत्य/असत्य के लिए तर्क स्पष्ट करें।

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए :
(१) ब्लॉग लेखन करते समय बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए।
(२) प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीवों द्वारा प्रकाश उत्पन्न करने के उद्देश्यों की जानकारी दीजिए।

अथवा

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :
(१) हिंदी में 'पल्लवन' शब्द अंग्रेजी शब्द _____ के प्रतिशब्द के रूप में आता है।
(१) Expansion
(२) Essay
(३) Article
(४) Blog
(२) _____ को पत्रकारिता के क्षेत्र में फीचर लेखन के लिए दिए जाने वाले 'सर्वश्रेष्ठ फीचर लेखन' के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
(१) नेहा
(२) स्नेहा
(३) मेधा
(४) सुगंधा
(३) _____ लेखन में शब्द संख्या का बंधन नहीं होता।
(१) फीचर (२) ब्लॉग (३) पल्लवन (४) निबंध
(४) मानव सहित विश्व के अधिकांश जीवों के जीवन में _____ का बहुत महत्त्व है।
(१) दवा
(२) रसायन
(३) धन
(४) प्रकाश

Correct Answer:
(१) (१) Expansion; (२) मेधा ; (३) ब्लॉग; (४) प्रकाश।

Solution:
(सही विकल्प)
(१) हिंदी में 'पल्लवन' शब्द अंग्रेजी शब्द **Expansion** के प्रतिशब्द के रूप में आता है।
(२) **मेधा** को पत्रकारिता के क्षेत्र में फीचर लेखन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर लेखन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
(३) **ब्लॉग** लेखन में शब्द संख्या का बंधन नहीं होता।
(४) मानव सहित विश्व के अधिकांश जीवों के जीवन में **प्रकाश** का बहुत महत्त्व है।
(नोट: मेधा का चयन संदर्भ के अभाव में मानक विकल्प के रूप में किया गया है।)

Quick Tip

विकल्प आधारित प्रश्नों में शब्दों के अर्थ और संदर्भ को समझकर सटीक चयन करें।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

एक बार अंग्रेजी के मशहूर साहित्यसेवी डॉ. जॉनसन के पास उनका एक मित्र आया और अफसोस जाहिर करने लगा कि उसे धार्मिक ग्रंथ पढ़ने के लिए समय ही नहीं मिलता।

"क्यों?" डॉ. जॉनसन ने फौरन पूछा।

"आप ही देखिए, दिन-रात मिलाकर सिर्फ चौबीस घंटे होते हैं, इसमें से आठ घंटे तो सोने में निकल जाते हैं।"

"पर यह बात सब ही के लिए लागू है।" डॉ. जॉनसन ने कहा।

"और करीब आठ ही घंटे ऑफिस में काम करना पड़ता है।"

"और बाकी आठ घंटे?" डॉ. जॉनसन ने पूछा।

"इन्हीं आठ घंटों में खाना-पीना, हजामत बनाना, नहाना-धोना, ऑफिस आना-जाना, मित्रों से मिलना-जुलना, चिट्ठी-पत्री का जवाब देना, इत्यादि कितने काम रहते हैं। मैं तो बड़ा परेशान हूँ।"

"तब तो मुझे भी अब भूखों मरना पड़ेगा।" डॉ. जॉनसन एक गहरी साँस लेकर बोले।

"क्यों? क्यों?" उनके मित्र ने तुरंत पूछा।

"मैं काफी खाने वाला आदमी हूँ और अन्न उपजाने के लिए दुनिया में एक चौथाई ही तो जमीन है, तीन-चौथाई तो पानी ही है और संसार में मेरे जैसे करोड़ों लोग हैं जिन्हें अपना पेट भरना पड़ता है।"

"पर इतने लोगों के लिए फिर तो भी जमीन काफी है।"

"काफी कहाँ है? इस एक-चौथाई जमीन में कितने पहाड़ हैं, ऊबड़-खाबड़ स्थल हैं, नदी-नाले हैं, रेगिस्तान और बंजर भूमि है। अब मेरा भी कैसे निभ सकेगा भगवान! मित्र महोदय बड़ी हमदर्दी के साथ डॉ. जॉनसन को दिलासा देने लगे कि उन्हे परेशान होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। दुनिया में करोड़ों लोग रहते आए हैं और उन्हें सदा अन्न मिलता ही रहा है।"

(१) तालिका पूर्ण कीजिए :

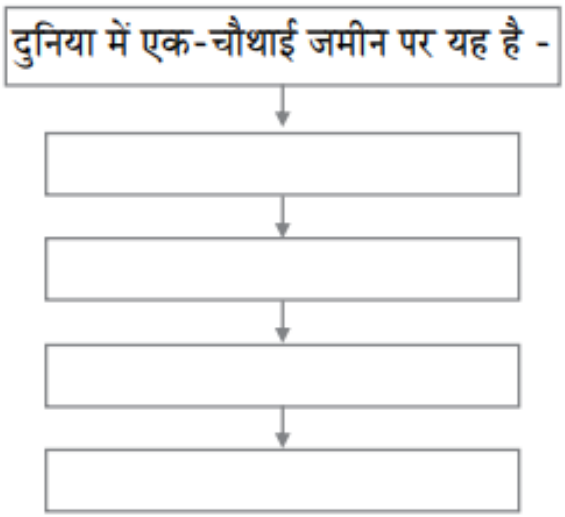

(२) परिच्छेद में आए हुए शब्दयुग्म के कोई भी चार उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए :
(१) (२) (३) (४)
(३) 'समय अनमोल है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए।

Correct Answer:
(१) खेती।
(२) (१) साहित्य-सेवी ; (२) मित्र-मिलन; (३) अन्न-उत्पादन; (४) जीवन-यापन।
(३) समय अनमोल है, इसका सदुपयोग सफलता लाता है।

Solution:
(१) तालिका पूर्ण कीजिए :
दुनिया में एक-चौथाई जमीन पर यह है : **खेती**।

(२) शब्दयुग्म :
(१) साहित्य-सेवी
(२) मित्र-मिलन
(३) अन्न-उत्पादन
(४) जीवन-यापन

(३) समय अनमोल है :
समय अनमोल है, इसका सदुपयोग जीवन को समृद्ध बनाता है। समय खोने से अवसर चूक जाते हैं। कार्यों को समयबद्ध करने से उत्पादकता बढ़ती है। उदाहरण के लिए, समय प्रबंधन से विद्यार्थी बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं। समय की कीमत समझकर हमें इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए। (४६ शब्द)

Quick Tip

अपठित गद्यांश में थीम और संदर्भ को समझें; शब्दयुग्म और विचारों को संक्षिप्त और प्रासंगिक रखें।

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए :
(१) Judge
(२) Warning
(३) Balance
(४) Payment
(५) Speed
(६) Antiseptics
(७) Output
(८) Auxiliary Memory

Correct Answer:
(१) Judge: न्यायाधीश
(२) Warning: चेतावनी
(३) Balance: संतुलन
(४) Payment: भुगतान

Solution:
(१) Judge: **न्यायाधीश**
(२) Warning: **चेतावनी**
(३) Balance: **संतुलन**
(४) Payment: **भुगतान**

Quick Tip

पारिभाषिक शब्दों में सटीक और मानक हिंदी अनुवाद चुनें, संदर्भ के अनुसार।

विभाग - ५. व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो):
(१) बैजू का लहू सूख गया है। (सामान्य भूतकाल)
(२) सत्य का मार्ग सरल है। (सामान्य भविष्यकाल)
(३) हमारे भू-मंडल में हवा और पानी बुरी तरह प्रदूषित हुए हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)
(४) मैं वहाँ जाकर मौसी को देख अति दुखी हो गया। (पूर्ण भूतकाल)

Correct Answer:
(१) बैजू का लहू सूखा।
(२) सत्य का मार्ग सरल होगा।

Solution:
(१) बैजू का लहू सूख गया है। (सामान्य भूतकाल): **बैजू का लहू सूखा।**
- मूल वाक्य पूर्ण भूतकाल में है (सूख गया है); सामान्य भूतकाल में क्रिया 'सूख गया' को 'सूखा' किया गया।
(२) सत्य का मार्ग सरल है। (सामान्य भविष्यकाल): **सत्य का मार्ग सरल होगा।**
- मूल वाक्य सामान्य वर्तमानकाल में है (है); सामान्य भविष्यकाल में क्रिया 'है' को 'होगा' किया गया।

Quick Tip

काल परिवर्तन में क्रिया के रूप को सही काल के अनुसार बदलें, वाक्य की संरचना बनाए रखें।

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो):
(१) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।
(२) राधा-वदन चंद सो सुंदर।
(३) पड़ी अचानक नदी अपार। घोड़ा उतरे कैसे पार।। राणा ने सोचा इस पार। तब तक चेतक था उस पार।।

(४) एक म्यान में दो तलवारें, कभी नहीं रह सकती हैं। किसी और पर प्रेम पति का, नारियाँ नहीं सह सकती हैं।

Correct Answer:
(१) अनुप्रास और यमक।
(२) उपमा।

Solution:
(१) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो : **अनुप्रास और यमक**।
- **अनुप्रास :** 'पायो' और 'राम रतन' में 'प' और 'र' की पुनरावृत्ति।
- **यमक :** 'पायो' शब्द का दोहराव अलग-अलग अर्थों में।
(२) राधा-वदन चंद सो सुंदर: **उपमा**।
- राधा का चेहरा चंद्रमा से तुलना की गई, 'सो' उपमा वाचक शब्द है।

Quick Tip

अलंकार पहचानते समय शब्दों की पुनरावृत्ति, तुलना या प्रतीकात्मकता पर ध्यान दें।

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो):
(१) सुड़ुक-सुड़ुक घाव से पिल्लू (मवाद) निकाल रहा है, नासिका से श्वेत पदार्थ निकाल रहा है।
(२) राम के रूप निहारति जानकी, कंकन के नग की परछाही, यातै सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाही।
(३) माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर। कर का मनका डारि कैं, मन का मनका फेर।।
(४) तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारि। हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारि।

Correct Answer:
(१) बीभत्स रस।
(२) शृंगार रस।

Solution:
(१) सुड़ुक-सुड़ुक घाव से पिल्लू (मवाद) निकाल रहा है...: **बीभत्स रस**।
- घाव और मवाद का वर्णन घृणा उत्पन्न करता है, जो बीभत्स रस का लक्षण है।
(२) राम के रूप निहारति जानकी...: **शृंगार रस**।
- जानकी का राम के रूप में खोया होना प्रेम और सौंदर्य को दर्शाता है, जो शृंगार रस का संकेत है।

Quick Tip

रस पहचानते समय भावनाओं (प्रेम, घृणा, भक्ति) और उनके प्रभाव पर ध्यान दें।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो):
(१) वाह-वाह करना।
(२) टस-से-मस न होना।

(३) दिन दूना रात चौगुना बढ़ना।
(४) चार चाँद लगाना।

Correct Answer:
(१) **वाह-वाह करना :** प्रशंसा करना। वाक्य: कवि की कविता सुनकर लोग वाह-वाह करने लगे।
(२) **टस-से-मस न होना :** जरा भी न हिलना। वाक्य: सारी कोशिशों के बावजूद वह टस-से-मस न हुआ।

Solution:
(१) वाह-वाह करना :
- **अर्थ:** किसी की प्रशंसा करना या सराहना करना।
- **वाक्य :** कवि की कविता सुनकर लोग वाह-वाह करने लगे।
(२) टस-से-मस न होना :
- **अर्थ:** जरा भी न हिलना या प्रभावित न होना।
- **वाक्य :** सारी कोशिशों के बावजूद वह अपनी जिद पर टस-से-मस न हुआ।

Quick Tip

मुहावरों के अर्थ को संदर्भ में समझें और वाक्य में स्वाभाविक प्रयोग करें।

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो):
(१) उनकी व्यथा के सघनता जानने का मुझे एक अवसर मिली है।
(२) परंतू अग्यान भी अपराध है।
(३) सुधारक आते हैं, जिवन की इन विडंबनाओं पर घनघोर चोट करते हैं।
(४) यहाँ स्वभाविक रूप से सवाल उठता है की इस्तेमाल में आने वाले इन यौगिकों का आखिर होता क्या है।

Correct Answer:
(१) उनकी व्यथा की सघनता जानने का मुझे एक अवसर मिला है।
(२) परंतु अज्ञान भी अपराध है।

Solution:
(१) मूल : उनकी व्यथा के सघनता जानने का मुझे एक अवसर मिली है।
- **शुद्ध: उनकी व्यथा की सघनता जानने का मुझे एक अवसर मिला है।**
- सुधार: 'के' को 'की' किया (सघनता स्त्रीलिंग) और 'मिली' को 'मिला' किया (मुझे के साथ लिंग संनाद)।
(२) मूल : परंतू अग्यान भी अपराध है।
- **शुद्ध: परंतु अज्ञान भी अपराध है।**
- सुधार: 'परंतू' को 'परंतु' और 'अग्यान' को 'अज्ञान' किया (वर्तनी सुधार)।

Quick Tip

वाक्य शुद्धि में लिंग, वचन, वर्तनी और व्याकरणिक त्रुटियों पर ध्यान दें।